गुजरात में दूरभाष प्रणाली की शोचनीय स्थिति

4219. **श्री छोटूभाई पटेल :**
श्री सैयद सिब्ते रज़ी :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्षा ऋतु के दौरान गुजरात में दूरभाष प्रणाली ठप्प हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो ठप्प हो गये दूरभाषों की संख्या कितनी है और किन-किन जगहों पर यह प्रणाली ठप्प हो गई है ; और

(ग) स्थिति में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं;

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) : (क) जी, नहीं । गुजरात में टेलिफोन व्यवस्था ठप्प नहीं हुई थी । लगभग केवल चार प्रतिशत टेलीफोन प्रभावित हुए थे ।

(ख) गुजरात में मानसून के दौरान सूरत, अहमदाबाद, गांधीधाम–काण्डला प्रणाली, बल्सोर टाउन, राजकोट, वापी, नवासारी और दमन में 20393 टेलीफोन लाइनों में दोष उत्पन्न हो गया था ।

(ग) सभी प्रभावित लाइनों को 3 से 4 दिन के भीतर ठीक कर दिया गया । भविष्य में दोषों को कम से कम करने के उद्देश्य से केबिल डक्टिंग, केब्लि दाबोकरण, ओपन वायर लाइनों के स्थान पर भूमिगत केबिलें आदि बिछाए जाने जैसे निवारक उपाय किए जाते है ।

देश में मैनुअल एस. टी. डी. दूरभाष यंत्र

4220. **श्री छोटूभाई पटेल :**
श्री सैयद सिब्ते रज़ी :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश म कितने मैनुअल एस० टी०डी० दूरभाष यंत्र लगाये गये हैं ;

(ख) क्या इससे उपभोक्ता संतुष्ट हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि एस०टी० डी० सार्वजनिक दूरभाष प्रभारों की तुलना में मैनुअल एस०टी०डी० काल प्रभार अधिक है ; और

(घ) क्या शहरी विस्तार योजना में मैनुअल एक्सचेंजों के अंतर्गत एस०टी०डी० सार्वजनिक दूरभाष चलाने वाले व्यक्तियों को सेवा प्रभारों में छूट दी जाएगी जैसे कि बड़े शहरों के मामले में दी जा रही है ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) देश में मैनुअल एस०टी०डी० टेलीफोन उपकरणों की संख्या 10461 है ।

(ख) जी नहीं । तथापि, सभी मैनुअल एक्सचेंज मार्च, 1993 तक आटोमेटिक एक्सचेंजों में बदल दिए जाएंगे ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) जी नहीं ।

Delay in delivery of registered Mail

4221. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Miinster of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been general increase in the instances of delay in the delivery of registered mail by the P and T department and even the cases of non-delivery;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the number of complaints received in this regard during 1991 and 1992 as on date; and

(d) the details of the action Government propose to take to improve this service?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir. There has been a marginal increase in the number of complaints received about delay non-delivery of registered mail. But the surveyes conducted did show reduction in the transit for registered articles.

(b) It is due to operational failure, delays in transit caused by the transport services like Airlines/Railways etc. and human failure.

(c) The statistical information in respect of postal complaints are compiled on a quarterly basis. During the period from 1-1-91 to 31-12-91 (year 1991), 71287 complaints and from 1-1-92 to 31--3-92, 20954 complaints respectively, of delay and non-delivery of registered mails have been received. These represent 0.023 per cent of the annual traffic of 311 millions of registered mails handled by the Department of Posts.

(d) Department has introduced periodical review of incidence of complaints to identify the reasons and to introduce appropriate corrective measures such as:

(i) revision of transmission system.

(ii) quality control service.

(iii) punitive action against the staff found responsible.

दूरभाष हेतु एकत्र किये गये पंजीकरण प्रभारों का उपयोग किया जाना

4222. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय प्रतीक्षा सूची में दर्ज व्यक्तियों से टेलीफोन के पंजीकरण की फीस के माध्यम से कितनी राशि एकत्र की गई है ;

(ख) इस संबंध में परिमण्डल-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) एकत्र की गई राशि से कितने इलेक्ट्रोनिक एक्सचेंज स्थापित किये जा सकते हैं ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) से (ग) क्षेत्र इकाईयों से जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

अन्तर्राष्ट्रीय तार-व्यवस्था का दोषपूर्ण होना

4223. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अंतर्राष्ट्रीय तार व्यवस्था के दोषपूर्ण होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय तारों की संख्या में पूर्व वर्ष की तुलना में कमी आयी है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार अन्तर्राष्ट्रीय तारों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या प्रयास कर रही है ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) और (ख) जी हां । पूर्व वर्षों की तुलना में अन्तर्राष्ट्रीय तारों की संख्या में कमी का कारण अंतर्राष्ट्रीय तार व्यवस्था का दोषपूर्ण होना नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं द्वारा फैक्स सुविधाओं का प्रयोग करना है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तर भारत में एस० टी० डी० सुविधायें

4224. **श्री महेश्वर सिंह :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर भारत में ऐसे शहरों/पर्यटक स्थलों के नाम क्या हैं जिन्हें अभी एस०टी०डी० सुविधा से जोड़ा जाना है ;

(ख) उनके मंत्रालय को किन किन स्थानों से एस०टी०डी० सुविधा प्रदान किये जाने की मांग प्राप्त हुई है ; और

(ग) वर्ष 1992–93 के दौरान किन किन शहरों को यह सुविधा उपलब्ध करवा देने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) और (ख) विवरण सदन पटल पर रख दिया गया है । **(नीचे देखिए)**